SPORTS MANAGEMENT (खेल प्रबंधन)

RENU DAS

ASSISTANT PROFESSOR PHYSICAL EDUCATION

MBDGGDC ANWALKHERA,AGRA

प्रबंधन की परिभाषा(Definition of management)

"प्रबंधन निर्णायक और क्रियात्मक क्षमताओं का महत्व है जिसमें निर्धारित उद्देश्यों की पहचान करने की क्षमता आवश्यक संसाधनों को जुटाने की सामर्थ्य एवं उन्हें प्राप्त करना तथा परिणामों के निर्धारण को मूल्यांकन के आधार पर प्रस्तुत कर नाम प्रबंध कहलाता है" "प्रबंध के नियोजन, संगठन, निर्देशन, नियंत्रण, बजट, एवं नेतृत्व और मूल्यांकन करने की क्षमता को प्रबंध द्वारा सम्मिलित किया जाता है"

क्या है स्पोर्ट्स मैनेजमेंट

मैनेजमेंट से सीधा पर्याय है बेहतर प्रबंधन, फिर वह चाहे स्पोर्ट्स मैनेजमेंट ही क्यों न हो। स्पोर्ट्स मैनेजमेंट का सीधा अर्थ है खिलाड़ियों के खेल से परे एक मैच के आयोजन से जुड़ी हर छोटी-बड़ी चीज का बेहतर प्रबंधन। चूंकि आज खेल का सीधा सम्बंध मुनाफे से जुड़ गया है, सो स्पोर्ट्स मैनेजमेंट का अर्थ है एक आयोजन का इस तरह से मैनेजमेंट करना, जिससे कि उम्दा आयोजन के साथ-साथ अधिकतम मुनाफा कमाया जा सके। स्पोर्ट्स मैनेजमेंट की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए सबसे पहली अनिवार्य योग्यता है खेल और उससे जुड़े तमाम पहलुओं से जुड़ा होना। बैचलर डिग्री कोर्स के लिए बारहवीं पास उम्मीदवारों का मैरिट के आधार पर दाखिला होता है, जबकि पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री व डिप्लोमा पाठय़क्रमों के लिए कम से कम 40 फीसदी अंकों से ग्रेजुएट होना जरूरी है। इसी तरह स्पोर्ट्स इकोनॉमिक्स एंड मार्केटिंग सरीखे सर्टिफिकेट कोर्स के लिए आवेदक का बारहवीं पास होना ही पर्याप्त है यानी जैसी योग्यता, वैसे पाठय़क्रम में अध्ययन का अवसर यहां उपलब्ध है।

खेल प्रबंधन का अर्थ एवं महत्व (Meaning of Sport management)

प्रबंधन की अवधारणा प्रत्येक संगठन पर लागू होती है, चाहे वह संगठन छोटा हो या बड़ा लाभकारी हो या हानिकारक अथवा निर्माण एवं सेवा उद्योग क्षेत्र का संगठन हो उसे प्रबंध की अवधारणा से अलग नहीं किया जा सकता। लेकिन शारीरिक शिक्षा में प्रबंध (Management) का तात्पर्य खेल और शारीरिक शिक्षा महत्त्व से है। प्रबंध एक महत्वपूर्ण साधन एवं विषय के रूप में कार्य करने का प्रयत्न करता है प्रबंध का विषय किसी विद्यालय,महाविद्यालय,विश्वविद्यालय एवं विभिन्न प्रकार के संघों की व्यवस्था को सुचारू रूप से क्रियान्वित करने का कार्य करना है प्रबंध तंत्र के सदस्यों या अधिकारियों का इस कार्यक्रम को ईमानदारी से करने का दायित्व होता है। जिससे वह संगठन को निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति करने में अपना पूर्ण योगदान देने का कार्य करते हैं।

आज के प्रतिस्पर्धा (Competition) के युग में खेलों के विषय के लिए तथा उच्च स्तरीय विकास के क्षेत्र में प्रबंध की आवश्यकता मुख्य रूप से होती है, प्रबंधकीय क्षमताओं की आधारभूत सिला प्रबंध पर निर्भर करती है। सैद्धांतिक दृष्टि से प्रबंधकीय सिद्धांत नेतृत्व एवं क्षमता का अपना अलग ही महत्व होता है। शारीरिक शिक्षा स्वास्थ्य और खेलों का क्षेत्र प्रबंध के सहयोग से चुनौतीपूर्ण हो गया है। प्रबंध खेल से संबंधित व्यक्तियों भौतिक सामग्रियों एवं खेल गतिविधियों की दिशाओं को संगठित करने की कला होती है जिसके द्वारा सही उद्देश्यों एवं लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

आईपीएल मैच की बात करें तो यहां तो भारतीय खिलाड़ियों का जमावड़ा नजर आता है, लेकिन फीफा जिसमें भारतीय प्रतिनिधित्व भी नहीं है तो भी भारतीय दर्शकों के बीच यह खेल इस कदर पैठ बना चुका है कि रात 12 बजे लोग मैच देखते हैं और सुबह उठ कर मैदान में फुटबॉल के साथ अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाते हैं।

खेल के प्रति बढ़ी यही दीवानगी है, जिसके लिए आम आदमी की जेब से पैसा निकलते देर नहीं लगती और इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने के लिए ही स्पोर्ट्स मैनेजमेंट एक्सपर्ट जुटे रहते हैं। मैदान के अंदर और बाहर हर जगह, हर तरह से मुनाफा कमाया जा रहा है। पुलेला गोपीचंद को प्रसिद्ध मिली तो अपनी अकेडमी खोल औरों को ट्रेनिंग देना शुरू कर दिया है। मार्केटिंग अपने आप ही हो गई, जब एक स्टार खिलाड़ी ही अकेडमी खोल सिखाएगा तो भीड़ जुटना तो लाजमी है।

यही वह कारण है कि रोहतक की सायना नेहवाल हैदराबाद तक पहुंच जाती है। आज साइना अपने आप में एक चर्चित नाम है। ऐसा नाम, जिसके आधार पर मार्केट में मुनाफा कमाया जा रहा है।

प्रबंध का महत्व(Importance of management)

आधुनिक युग में किसी भी क्षेत्र का संगठन किसी भी असफलता और उसका अस्तित्व पूर्ण रूप से प्रबंध पर निर्भर करता है मानवीय क्रियाओं को सफलतापूर्वक करने के लिए उसका विशेषटीकाकरण करने के लिए उसका विशेष टीकाकरण पर आधारित बल दिया जाता है, क्रियाओं को सफल बनाने के लिए प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण स्थान होता है। भौतिक व माननीय साधनों की सफलतापूर्वक रूप से प्रबंध तंत्र की कार्य क्षमता का क्षेत्र चाहे वह स्वतंत्र खेल जगत हो विद्यालय, महाविद्यालय, का हो शारीरिक शिक्षा विभाग की गतिविधियों का क्षेत्र हो या प्रतियोगिताओं के दौरान सुख सुविधाओं को उपलब्ध कराना प्रबंध तंत्र का कार्य होता है एक कुशल प्रबंधन आर्थिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सहायक होता है अच्छे प्रबंधक से समय की बचत होना कुशल उत्पादक कार्यों को जन्म प्रदान करना विपरीत परिस्थितियों में सहायक होना भी इसका महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्रबंध की सहायता से क्रियाकलापों को बल प्राप्त होता है, प्रबंध क महत्व को निम्नलिखित आधार पर जाना जा सकता है।

1. आर्थिक लक्ष्यों की पूर्ति में सहायक होना प्रबंध के द्वारा आर्थिक मामलों में सहायता प्रदान करने के लिए भी प्रबंध की बहुत आवश्यकता होती है।

2. नेतृत्व की आवश्यकता/importance of leadership बिना प्रबंधन के खेलों की कार्यविधि प्रभावित होती है प्रबंधन के द्वारा (Team Work) की भावना को निश्चित किया जाता है तथा कार्य करने वाले व्यक्ति में अत्यधिक कार्य करने के लिए प्रोत्साहन किया जाता है। यह कार्य एक अत्यंत प्रभावशाली नेतृत्व के द्वारा ही संपन्न हो सकता है।

3. बदलती परिस्थितियों को समझने में सहायक समयानुसार व सुविधा अनुसार परिस्थितियों को देखते हुए संगठनों के नियमों में बदलाव कर उसे प्राप्त करने में सहायता मिलती है और उसे वृद्धि की ओर ले जाने का प्रयास करते हैं।

4. सामाजिक प्रगति एवं खुशहाली में सहायक प्रबंधन के द्वारा हम अपने व्यवहार को समाज से ठीक रख सकते हैं इससे घनिष्ठ संबंधों का निर्माण होता है।

खेल प्रबंधन के उद्देश्य (Aims of sport management)

जब किसी संस्था या विद्यालय, महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के प्रबंधक अथवा प्रबंधन तथा उनके उद्देश्यों की बात करते हैं। तो हमारे सामने उनके द्वारा निभाए जाने वाले कर्तव्य और कार्यों की एक विशाल सूची सामने आ जाती है इन्हीं के आधार पर हम खेल प्रबंधन के उद्देश्य को निर्धारित कर सकते हैं जो निम्नलिखित हैं संस्था में उपयुक्त अनुशासन व्यवस्था बनाए रखना, प्रशिक्षक शिक्षक तथा उपकरणों आदि की पर्याप्त व्यवस्था करना, प्रशिक्षक कोच शिक्षक तथा कर्मचारियों के लिए उपयुक्त आचार संहिता का निर्माण कर उसके क्रियान्वयन पर उचित ध्यान देंना, खेलकूद क्रियाओं का सुव्यवस्थित प्रबंधन एवं बढ़ावा देना, शारीरिक शिक्षा में अनुसंधान कार्यक्रमों को विद्यालय में प्रोत्साहन देना और विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों के स्वास्थ्य विकास पर बल देना।

खेल संचालन व्यवस्था का महत्व(Importance of Officiating)

किसी भी खेल स्पर्धा अथवा खेल के संचालन में संचालन व्यवस्था या मेरे निर्णयनका महत्वपूर्ण स्थान है। इसे खेल स्पर्धा अथवा खेल के संचालन व्यवस्था के अभाव में ना तो खेल स्वास्थ्यवर्धक और ना ही प्रेरक बन सकते हैं, इस प्रकार खेल तथा संचालन व्यवस्था एक दूसरे से घनिष्ठ रूप से संबंधित है खेल में उत्पन्न हुई परिस्थितियों का सामना करने के लिए संचालन व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है, संचालन व्यवस्था के महत्व को निम्नलिखित ढंग से स्पष्ट किया जा सकता है।

स्वास्थ्य खेल प्रतियोगिताओं का विकास/development of healthie competitions

सुसंचालन व्यवस्था स्वस्थ खेल प्रतियोगिताओं के विकास में सहायक है। यदि खेल प्रतियोगिताओं के दौरान निर्णायक द्वारा निष्पक्ष व्यवहार अपनाया जाए तथा परिणाम समुचित हो तो असफल खिलाड़ी अथवा दल अपनी असफलता को स्वीकार करते हुए सफल दल या प्रतिद्वंदी की क्षमताओं तथा योग्यताओं को स्वीकार करता है वहीं दूसरी और अपनी त्रुटियों तथा कमियों को दूर करने का प्रयास करता है। अब हमें विजई होना है तथा आगे बढ़ना है लेकिन अपने प्रतिद्वंदी के साथ स्वस्थ स्पर्धा के आधार पर और उनकी शिक्षा कुशल खेल संचालन व्यवस्था से मिलती है।

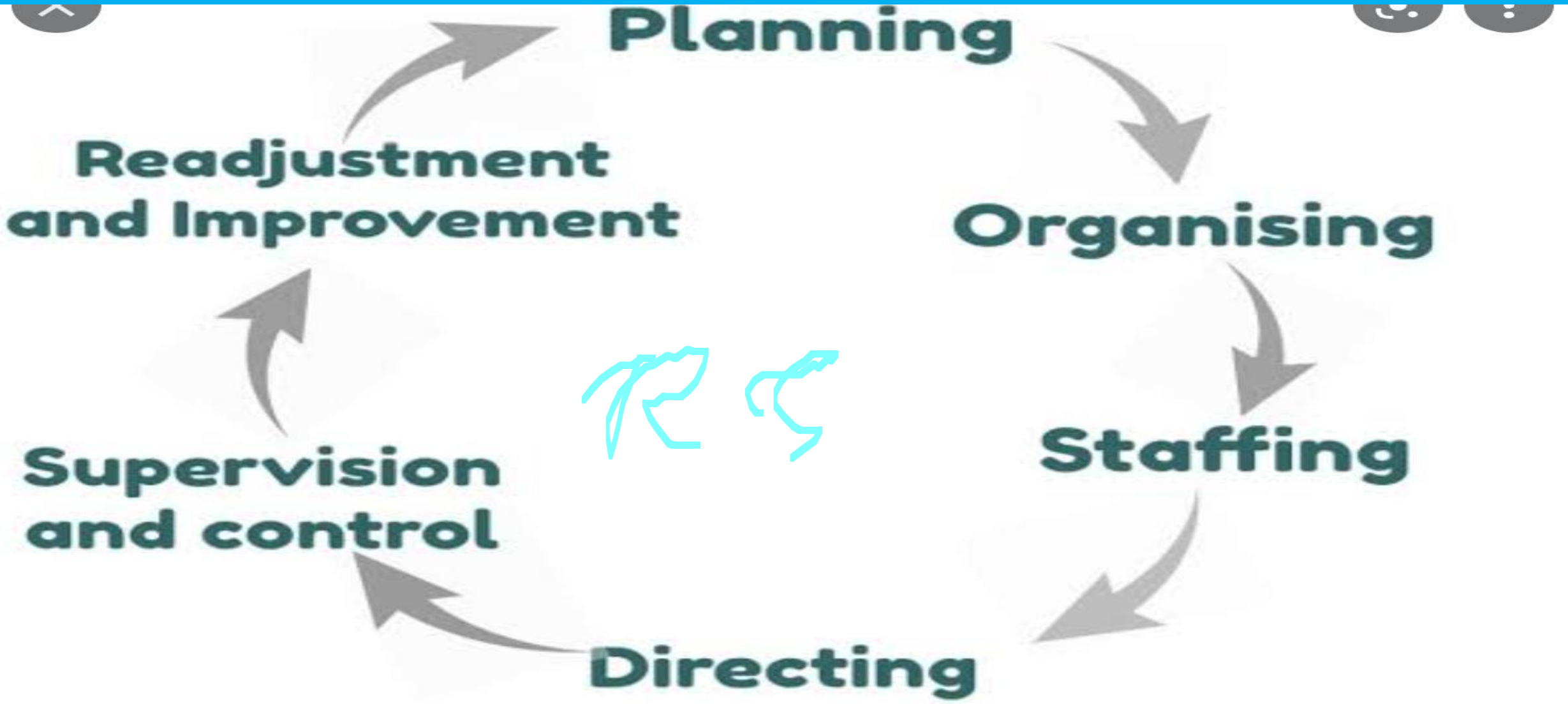

Phase of Sports Management